

॥ बाबा ॐ श्री शिव ॥

नवकार ज्वेलर्स

सच्चा सौदा ईमानदारी का राजिम नवापारा, रायपुर

सावधान सावधान

चाइना गोल्ड से सावधान

नवकार ज्वेलर्स राजिम में अब जापानी तकनीक से युक्त सोने की शुद्धता जांचने की मशीन

जापानी तकनीक से युक्त मशीन

सोने की शुद्धता एवं कैरेट की जांच

निःशुल्क सोने की शुद्धता जांच

चाइना गोल्ड से बचने का उपाय

नवकार ज्वेलर्स राजिम में मशीन द्वारा अपने सोने की शुद्धता की जांच करवाएं तथा यह सुनिश्चित करें की आपका सोना असली है या चाइना

आपका अपना बाजार

SR MEGAMART

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर राजिमवासियों के लिए बड़ी सौगात आ गया है

सब मिलेगा, सबको मिलेगा!

SR Megamart

GRAND OPENING

14th January 2025

आपके अपने शहर राजिम में!

अब सब कुछ एक ही छत के नीचे।

लाभ लेते हैं opening discount का हर सामान पर 10%-50% तक की छूट।

शक्ति माता चौक, राजिम लोचन पम्प शॉप के पास, गरियाबंद रोड, राजिम मो.: 93407 89101, 6268 927609

निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण

कोर्स- सिलाई और सोलर पैनल तकनीशियन

अवधि - 2 माह

दस्तावेज-1. 10 वीं /12वीं/ प्रेजेंटेशन

2. आधार कार्ड, 2 पासपोर्ट साईज फोटो

प्रशिक्षण केन्द्र गरियाबंद

संपर्क- मो. 6262082200

स्वर्भ संक्षेप

श्री शिवमहापुराण कथा 3 फरवरी से नैनपुर। तहसील मुख्यालय नैनपुर नगर के जयंतीनगर एवं शांतिनगर एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा 03 फरवरी से 09 फरवरी तक श्री शिवमहापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन नैनपुर में रखा गया है, जिसमें कथा वाचक पंडित नंदकिशोर चौबे जी महाराज होंगे। श्री शिवमहापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह को लेकर जोर शोर से तैयारी किया जा रहा है। कथा स्थल बिजली ऑफिस नैनपुर के पास होगा।

नवापारा में राजिम माता जयंती आज, विधायक होंगे मुख्य अतिथि

तैयारी : गंगा आरती स्थल से नए मेला स्थल तक कनेक्टिंग रोड का निर्माण किया जाएगा इस बार राजिम कुंभ कल्प मेला नए मैदान पर सजेगा विधायक ने कहा- अधिकारी तैयारी में जुट जाएं

हरिभूमि न्यूज ►► राजिम

राजिम कुंभ कल्प 2025 के आयोजन के संबंध में सोमवार को सुबह राजिम सर्किट हाउस में विधायक रोहित साहू की मौजूदगी में एक अतिमहत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर दीपक अग्रवाल सहित धमतरी महासमुंद एवं रायपुर सहित गरियाबंद जिले के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। विधायक श्री साहू ने अफसरो को निर्देश दिया कि नए मेला स्थल की तैयारी में सभी विभागों के अधिकारी बहुत ही तत्परता के साथ जुट जाएं। मेला 12 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। जिन विभागों को जो काम दिए जाते हैं उसे वे समय सीमा में पूरी करें। बैठक में राजिम कुंभ कल्प मेला भव्य तरीके से आयोजित करने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बार लगभग 52 एकड़ क्षेत्र में फैले नया मेला स्थल में राजिम कुंभ कल्प का आयोजन किया जाएगा। नया मेला स्थल में मेलास्थलों के लिए सभी सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। वहां पर मुख्य मंच बनाए जाएंगे। साथ ही दुकान, विभागीय स्टॉल एवं मीना बाजार भी लगाए जाएंगे। लोगों की सुविधा के लिए वृहद स्तर पर पार्किंग भी बनाए जाएंगे। इसके अलावा हेलीपैड भी बनाया जाएगा। बैठक में मौजूद विधायक श्री



साहू, संभाग आयुक्त श्री कावरे एवं कलेक्टर श्री अग्रवाल ने राजिम कुंभ कल्प की तैयारी के संबंध में समीक्षा करते हुए सभी कार्य जल्द शुरू कर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। विधायक श्री साहू ने राजिम कुंभ कल्प मेला को भव्य तरीके से आयोजित करने सभी व्यवस्था अच्छे से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभाग आयुक्त श्री कावरे ने रायपुर, महासमुंद, धमतरी सहित गरियाबंद जिले के अधिकारियों को मेला के संबंध में समन्वय कर सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले के अधिकारियों को मेला के संबंध में दिए गए दायित्वों को तत्परता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में पूर्व सांसद चंद्रलाल साहू, पूर्व विधायक

विभागों को सौंप गए दायित्व-

राजिम कुंभ कल्प की तैयारी के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल आपूर्ति, अस्थाई शौचालय निर्माण, पाइपलाइन एवं पानी टंकी की तैयारी समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को अस्थाई अस्पताल सहित पर्याप्त मात्रा में एंबुलेंस एवं अन्य मेडिकल सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार विद्युत विभाग को लाइटिंग की व्यवस्था, पुलों पर लाइटिंग के साथ सजावट, मेला स्थल पर टावर लाइट एवं पार्किंग स्थल में लाइट आदि की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। वन विभाग को बांस बल्ली की व्यवस्था, जलाऊ लकड़ी, साधुओं के लिए कुटिया निर्माण के लिए घास की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। खाद्य विभाग को नया मेला स्थल में पर्याप्त संख्या में दाल भात केंद्र खोलने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को सुरक्षा के पर्याप्त व्यवस्था, सीसीटीवी, कंट्रोल रूम एवं फायर ब्रिगेड आदि की व्यवस्था के लिए निर्देश दिए गए। नगरिय प्रशासन विभाग को साफ सफाई, कचरा निष्पादन, डस्टबिन की पर्याप्त संख्या सहित मंदिर एवं धार्मिक स्थलों का रंग रोगन एवं साफ सफाई के निर्देश दिए गए।

मेला स्थल पहुंचकर कलेक्टर ने ले आउट प्लान बनाने के लिए निर्देश

राजिम। कलेक्टर दीपक अग्रवाल सोमवार को नए मेला स्थल पहुंचकर विभिन्न आयोजनों के लिए जगह निर्धारित करने स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न जगहों में पहुंचकर मंच व्यवस्था, वीआईपी पार्किंग, सामान्य पार्किंग, मीना बाजार, फूड ज़ोन एवं आवागमन के लिए रास्तों के विकल्प सहित हेलीपैड के संबंध में स्थल का जायजा लेकर अधिकारियों को ले आउट बनाने में आवश्यक निर्देश दिया। कहा कि नए मेला स्थल के लगभग 52 एकड़ क्षेत्रफल का समुचित उपयोग कर सभी गतिविधियों के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्थल में जगह की कमी नहीं है, इसलिए सभी आयोजन के लिए जगह निर्धारित कर भव्य रूप से मेला आयोजन की तैयारी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संत समागम एवं गंगा आरती स्थल से नए मेला स्थल में आने के लिए नदी किनारे सड़क के विकल्प पर चर्चा करते हुए सड़क के कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिससे लोगों को आवाजाही में आसानी होगी। इसी प्रकार चौबेबांधा मार्ग में भी आवश्यक मरम्मत आदि के कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लेआउट प्लान इस प्रकार से बनाया जाए जिससे आमजनों को मेला स्थल में आने के लिए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। आमजन भव्य रूप से आयोजित मेला का आनंद ले सकें।

छेरछेरा की धूम

नवापारा-भण्डरी। भण्डरी में सुबह से लेकर दोपहर तक छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग भी गांव की गलियों में हरेक घरों में घूम-घूमकर छेरछेरा मांगा।

कोचईमुड़ा में घुसा हाथी, लोगों में दहशत

हरिभूमि न्यूज ►► रसेला

जंगल संलग्न इलाकों में अक्सर हांथी ग्रामीण क्षेत्रों में घुस जाते हैं और काफी क्षति पहुंचाते हैं। हाथियों के उत्पाद से जान माल की हानि भी हो जाती है। रविवार को रसेला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कोचईमुड़ा में शनिवार रात को एक जंगली हाथी के पहुंचने से, आसपास के गांवों में दहशत फैल गई है। वन विभाग के द्वारा आसपास के सभी गांवों में कोटवार द्वारा मुनादी करा दिया गया है कि ग्रामीणजन को सर्तक रहने को भी कहा गया है। वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी के द्वारा हांथी का लोकेशन पल-पल लिया जा रहा है। रविवार रात को ग्राम रूवाड के आश्रित ग्राम लादाबाहर के केला बाडी में पहुंच कर केले के पेड़ नुकसान पहुंचाया। वहीं बीजापानी में महेंद्र के घर घुस ►►शेष पेज 10 पर

कोटवार की लाश तालाब में मिली हत्या की आशंका पर जांच जारी

कोपरा। ग्राम सुरसाबांधा और श्यामनगर के बीच स्थित तालाब में सोमवार शाम को पानी में तैरती हुई एक अज्ञात लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राजिम थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश की पहचान ग्राम सुरसाबांधा के कोटवार अनिल टांडिया के रूप में की। अनिल टांडिया पिछले दो दिनों से घर से लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। सोमवार शाम करीब 4 बजे सुरसाबांधा और श्यामनगर के बीच तालाब में पानी में तैरती हुई लाश मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और उसकी पहचान की। कोटवार अनिल टांडिया की मौत पर सवाल उठ रहे हैं। घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस ने फिलहाल इस पर कोई भी टिप्पणी करने से इंकार किया है। राजिम पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

एस.आर. पैरामेडिकल कॉलेज

छ.ग. शासन के पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त

प्रवेश प्रारंभ

उपलब्ध पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स

ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन

पैथोलॉजी लैब टेक्निशियन

एक्स-रे टेक्निशियन

सरकारी नौकरी हेतु मान्यता प्राप्त कोर्स

काउंसलर का मोबाईल नं.-7880102604

चिखली, पोस्ट-जेवरा सिरसा, धमशा रोड, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

पाठक सूचना

गरियाबंद जिले में समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें

9993223300, 8370049468

अधिकृत विक्रेता :

श्री बजरंग इलेक्ट्रिकल्स

कम वोल्टेज में ज्यादा पानी देने वाला ग्रीन वेल सबमर्सिबल पंप

बस स्टेण्ड, नवापारा, मो. 98278-87946, 93400-18107

V4,V5,V6 एवं 50 फीट हेड वाला सबमर्सिबल पंप

विवेकानंद जयंती पर आनंद मेला का आयोजित, बच्चों में मोबाइल के प्रति जागरूकता लाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज >>> छुरा

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को गैलेक्सी इंग्लिश मीडियम स्कूल छुरा में आनंद मेला आयोजन किया गया। संकुल प्रभारी, प्राचार्य एनसी साहू मुख्य अतिथि थे। समन्वयक शंकर लाल यदु ने अध्यक्षता किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ संवाददाता यशवंत यादव, शिक्षक योगविद अर्जुन धनंजय सिन्हा एवं पालक समिति सचिव शशिकांत अग्रवाल मंचासीन थे। अतिथियों एवं संचालिका अनीता चंद्राकर द्वारा वीणापाणी मां सरस्वती, छत्तीसगढ़ महारती एवं विद्यालय के संस्थापक स्व. दीपक चंद्राकर की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित की गई। भावनृत्य के साथ स्वागत अभिनंदन किया गया। प्राचार्य साहू ने कहा कि विद्यालय के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 12 जनवरी को 12 बजे मेला का शुभारंभ होना एक



सुखद संयोग है। बच्चों की शिक्षा में विद्यालय के साथ पालकों को भी ध्यान देना चाहिए। समन्वयक शंकर लाल यदु ने कहा कि बच्चों में मोबाइल के प्रति जागरूकता लाना बेहद जरूरी है। बच्चे अपनी नैसर्गिक प्रकृति से दूर होकर

मोबाइल तक ही सिमट गए हैं। संवाददाता यशवंत यादव ने कहा कि समय का सदुपयोग कर गुरु माता पिता के बताए रास्ते पर चलें। शिक्षक, योगविद अर्जुन धनंजय सिन्हा ने संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को अपनी शक्ति को

पहचानना होगा। धर्म, संस्कृति, सेवा के पथ पर चलकर भारत को पुनः विश्व पटल स्थापित करना होगा। शशिकांत अग्रवाल ने कहा कि जीवन में अनुशासन का महती भूमिका होता है। शालेय विद्यार्थियों द्वारा बड़े पैमाने पर स्टॉल लगाकर

खाद्य सामग्री एवं विविध प्रदर्शनी लगाई गई थी। गढ़ कलेवा की तर्ज पर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन माडा रोटी, फरा रोटी, सिलबड़ा चटनी, अइरसा, गुलगुला भजिया, गुजिया, चीला रोटी, पराठा, चौसेला, इडली, दौकला, गुपचुप, भेल, रोस्ट चना, मुंगेडी, मोमोस, आलू छोले, दाबेली, मिर्ची भजिया, चाय, काफी, कुरकुरे सहित लजीज चटपटे व्यंजन विक्रय हेतु रखे गए थे। पालकों ने बच्चों के व्यापार विनिमय की कला को निखारने हेतु आयोजित आनंद मेला के लिए विद्यालय प्रबंधन का धन्यवाद ज्ञापित किया। व्यंजन प्रतियोगता में मेधा नेताम प्रथम, अनन्या अग्रवाल द्वितीय, झांसी साहू तृतीय स्थान पर रहीं। संचालन किशोर सिन्हा एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य अनीता चंद्राकर ने किया। आयोजन में शिक्षक पुष्पेन्द्र, रिया चंद्राकर, केशरी, अंजु, टिकेश्वरी, झरना, गंगा बंसोरे, कविता, रूपेश्वरी, बच्चे, पालकगण सहित बड़ी संख्या आसपास के लोग शामिल हुए।

खबर संक्षेप

दो अलग-अलग कार्रवाई में 15 लीटर शराब जब्त



मैनपुर। नया सवेरा अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत गांजा, नशीली दवाई, शराब, जुआ,सट्टा पर कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए थे। जिसके परिपालन मे आज दिनांक 13 जनवरी को थाना प्रभारी देवभोग निरीक्षक गौतमचंद गणवड़े को मुखबिबर से सूचना प्राप्त हुआ की ग्राम गोहरापादर डोकरेन नाला के पास एक सांविदक्त व्यक्ति अवैध तरीके से कच्ची महुआ शराब अधिक धन लाभ अर्जित के लिए बिक्री करने के उद्देश्य से ग्राहको का इंतजार कर रहा था, मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पुलिस टीम रेड की कार्यवाही करते हुए आरोपी को घटना स्थल पर धार दबोचा पूछताछ करने पर अपना नाम गलेरे मांझी पिता गुरु मांझी उम्र 35 वर्ष बताया। आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक जरीकेन मे 08 लीटर कच्ची महुआ शराब कमती 800 रुपये को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। उक्त आरोपी का कृत्य अपराध गारा सदर 34(2) आबकारी एक्ट का पाए जाने अपराध क्रमांक 17/2025 का अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार पुनः थाना प्रभारी देवभोग की मुखबिर से सूचना मिला की एक व्यक्ति ग्राम छैलडोंगरी नया पारा तिराह के पास अवैध शरब रखकर ग्राहक का इंतजार कर रहा था जिसे मुखबिर के बताए अनुसार पुलिस टीम द्वारा रेड की कार्यवाही कर पकड़ा जिसे नाम पता पूछने पर आरोपी द्वारा अपना नाम सनधर मांझी निवासी छैलडोंगरी बताया। उक्त आरोपी के कब्जे से कुल 07 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त किया गया। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाए जाने से अपराध क्रमांक 18/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

विधायक ने सायकिल से पहुंचकर ग्रामीणों को दिया था सड़क और रपटा निर्माण का आश्वासन

मैनपुर से नदीपारा अचानपुर मार्ग में बड़े-बड़े गड़ढे, ग्रामीणों को है पक्की सड़क का इंतजार

हरिभूमि न्यूज >>> मैनपुर

तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर से नदीपारा और अचानपुर तक पक्की सड़क निर्माण के लिए दर्जन बार सर्वे हो चुका है, लेकिन अब तक पक्की सड़क निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत मैनपुर के आश्रित ग्राम नदीपारा अचानपुर जो मैनपुर से 1 किमी मे बसा है लेकिन पक्की सड़क नहीं है और तो और सड़क में कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गये हैं। पिछले 10 वर्षों से सड़क निर्माण के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत दर्जन बार सर्वे भी किया जा चुका है, मैनपुर नदीपारा मार्ग में नदी किनारे कुछ वर्ष पहले तटबंध का निर्माण किया गया था। यह निर्माण कार्य निम्न स्तर का होने के कारण तीन वर्ष में तटबंध का आधा हिस्सा टूट कर बह गया और अब इसके नीचे पोला होने के कारण सड़क में जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं जो रात में अंधेरे होने के कारण साक्षात मौत का दर्शन करा रहा है। इस मार्ग में कई बार दुर्घटना के लोग शिकार भी हो चुके हैं। स्कूली बच्चे भी इसी मार्ग से आते-जाते हैं कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना घटने



की अंदेशा बनी रहती है। ज्ञात हो कि मैनपुर से नदीपारा अचानपुर तक पक्की सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से क्षेत्र के ग्रामीण कर रहे हैं। मैनपुर नदीपारा अचानपुर के ग्रामीणों ने इस मार्ग में सीसी रोड़ निर्माण की मांग की है।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के साथ पुलिया निर्माण का किया था मांग

बिन्दानवागढ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक ध्रुव बारिश के दिनों में

मैनपुर नदीपारा अचानपुर, खाम्हाभाठा, देहारगुडा तक पांच किलोमीटर साइकिल से पहुंचा था और भारी बारिश के बीच नदी नालों को पार कर सड़क का निरीक्षण किया था। इस दौरान ग्राम नदीपारा अचानपुर खाम्हाभाठा के लोगों ने सड़क निर्माण के साथ पुलिया निर्माण की मांग किया था जिस पर विधायक जनक ध्रुव ने तत्काल मौके पर फोन लगाकर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों से सर्वे कर सड़क निर्माण के लिए स्टीमेंट तैयार करने कहा था विधायक के साइकिल में यात्रा करने के बाद दो दिन के

युवा उत्सव में 150 रासेयो स्वयंसेवक शामिल हुए



हरिभूमि न्यूज >>> छुरा

शासकीय कॉलेज छुरा तथा शासकीय कॉलेज गरियाबंद के संयुक्त तत्वाधान में युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद जी के जयंती व राष्ट्रीय युवा दिवस पर रविवार को शासकीय कचना ध्रुवा महाविद्यालय छुरा में जिला स्तरीय एकादिवसीय युवा उत्सव आयोजन किया गया। जिसमें जिले से आए 150 रासेयो स्वयंसेवक युवा उत्सव में शामिल हुए। युवा उत्सव में मुख्य अतिथि डॉ. आर के तलवरे प्राचार्य शासकीय कॉलेज गरियाबंद, अध्यक्षता संस्था के प्रभारी प्राचार्य एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ.

विनित कुमार साहू तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. टीएस सोनवानी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय गोहरा पदर डॉ. समीक्षा चंद्राकर रासेयो जिला संगठक गरियाबंद, मुख्य वक्ता सी एल पटेल परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा पौधारोपण तथा मां सरस्वती, प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद को पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन विवेकवाणी एवं लक्ष्य गीत से हुआ। अतिथि स्वागत पुष्पगुच्छ व तिलक लगाकर हुआ। डॉ. तलवरे ने कहा की शैक्षणिक विकास पुस्तकीय ज्ञान से होता है पर राष्ट्रीय

सेवा योजना व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करता है। डॉ. सोनवानी ने कहा की विवेकानंद के विचारों को अगर जीवन में अपनाने की बात कही। डॉ. चंद्राकर ने कहा की विवेकानंद के विचार नर सेवा ही नारायण सेवा है व स्वामी जी के शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन के बारे में बताया। उक्त कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डीपी सिंह, डॉ. सीपी सिकरवार, प्रदीप सेन, अशोक ध्रुव, कृष्ण सिन्हा,अताउल्ला खान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वरिष्ठ स्वयंसेवक संतोष सोरी, निखिल, इंद्राणी, चांदनी समेत समस्त स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा।

सरल, सहज और मेहनतकश है मरार समाज : साहू

अभनपुर। मरार पटेल समाज अभनपुर राज अंतर्गत ग्राम खिलोरा, तुला,खोरपा, बेलर, मोहंदी,खंडवा, सलौनी, सिवनी, सुंदरकेरा सहित विभिन्न गांवों में माता शाकंभरी की विशेष पूजा अर्चना कर शाकम्भरी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्र के मरार निवासरत गांवों में माता आसन एवं शोभायात्रा रथ



को अनेक ताजी साग-सब्जियों से सजाया गया, जो देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर गांव की युवतियों एवं महिलाओं ने कलश धारण कर पूरे गांव के गली- मोहल्ले में भ्रमण किया जिससे गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल को जीवंत बना दिया। राज के विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में विधायक इन्द्र कुमार साहू शामिल हुए और माता शाकंभरी की आशीर्वाद लेते सामाजिक जनो का संबोधित करते कहा कि सामाजिक एकजुटता ही समाज की पहचान होनी चाहिए, मरार समाज सरल, सहज और मेहनतकश है, समाज

की एकता से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित होती है। **सब्जी वितरण करने से आत्मीय संतुष्टि मिलती है :** विधायक श्री साहू ने उन्नत कृषि के साथ अन्य व्यवसाय को अपनाने की बात कही साथ ही समाज द्वारा प्रसादी स्वरूप निशुल्क सब्जी वितरण पटल की सराहना की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ईश्वर पटेल ने कहा कि माता स्वरूपा की आशीष सभी समाज क उपर बनी रही, दान करने से हमेशा धन की बढ़ोतरी होती है। सब्जी वितरण करने से आत्मीय संतुष्टि मिलती है। आज बेटे दिशाविहीन होते जा रहे है युवाओं

को अनुशासन में रखकर पढ़ाना होगा, खुशी की बात है हमारे कार्यक्रमों में सभी समाज के लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लेकर उत्साह बढ़ाते है। राज अध्यक्ष मनराखन पटेल ने 19 जनवरी रविवार को अभनपुर में आयोजित शाकंभरी उत्सव एवं वृहद प्रसादी स्वरूप निशुल्क सब्जी वितरण की जानकारी दी। समाज प्रमुखो ने अतिथियों की स्वागत किया और समाज के वरिष्ठजनो काभी सम्मान किया गया।

महोत्सव में प्रमुख रूप से जिपं. खेमराज कोसले, मनराखन पटेल, ईश्वर पटेल, धमेन्द्र पटेल, डॉ. मधुसूदन पटेल, नेतृ पटेल, सोमनाथ पटेल, पिनेश पटेल, तातू राम पटेल, बंशी पटेल, पंचू पटेल, पतिराम पटेल, महादेव पटेल, भरत बैप, राघवेंद्र साहू, दामिनी साहू, रोशनी कमलेश टंडन, चित्ररेखा सुप्रेन्द्र ध्रुव, लीलाधर तिवारी, रेखा बघेल, रामसिंग साहू, सूरज साहू, ओमआशीष साहू, झड़ी पटेल, अवध पटेल, आजू पटेल, जगनाथ पटेल, महादेव पटेल, पुनाराम पटेल, जयप्रकाश पटेल, दमन पटेल, बंशी पटेल, गिरिश पटेल, दीपक पटेल, शरद पटेल, कमल पटेल, शिवनाथ पटेल, रामकृष्ण बैस सहित बड़ी संख्या मे सामाजिकजन उपस्थित रहे।

100 मीटर दौड़ में तलेश प्रथम

पेण्ड्रा में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न



छुरा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पेण्ड्रा में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने हठ-चढ़ कर भाग लिया। पूर्व में प्रतिवर्ष होने वाले इस आयोजन को इस बार चार वर्ष बाद उत्साह पूर्ण माहौल में शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कोमलसिंह ध्रुव पूर्व अध्यक्ष एसएसडीसी थे। विशेष अतिथि के रुप में बुजलाल ध्रुव पन्नालाल गंगवशी मंचस्थ हुए। अध्यक्षता सीके साहू ने की सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैलव्रित पर पूजा अर्चना की गई। पश्चात अतिथि स्पर्धाओं का परंपरा विद्यालय परिवार द्वारा निभाई। बच्चों के द्वारा आकर्षक मार्च पाष्टकर सलामी दी गई। अतिथियों द्वारा गोला फेंककर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

फिंगेश्वर महाविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा उत्सव संपन्न

खेल से शारीरिक और मानसिक मिलती है तंदुरुस्ती

फिंगेश्वर। फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय में 8 से 10 जनवरी तक तीन दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा उत्सव का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ तथा क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।



छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के ध्येय को ध्यान में रखकर ‘‘हम खेलेंगे खेल की भावना के साथ’’ थीम पर विभिन्न पन्द्रह खेल विधाओं को शामिल कर बालक व बालिका वर्गों के लिए पृथक-पृथक क्रीड़ा स्पर्धा आयोजित हुआ। क्रीड़ा उत्सव का शुभारंभ संस्था प्रमुख श्वेता मिश्रा के द्वारा मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप-प्रज्वलन के साथ हुआ। प्राचार्य मिश्रा द्वारा सभी खिलाड़ियों को खेल व समूह भावना से खेलने के लिए संकल्प कराय़ा गया। संस्था के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

तथा क्रीड़ा प्रभारी कमलेश्वर प्रसाद निषाद ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे शरीर व मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ और मजबूत बनाते हैं। महाविद्यालय के अतिथि सहायक क्रीड़ा अधिकारी आदिल अहमद के मार्गदर्शन में लगभग 140 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अपनी असमी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।बालकों की चार टीमों ने क्रिकेट में अपने खेल कौशल का

बेहतरीन प्रदर्शन किया तथा आनंद की टीम ने इस स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।बालिकायें भी किसी भी खेल में पीछे नहीं रही तथा सभी विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कबड्डी में चार टीमों में से माधुरी ध्रुव की टीम विजय हासिल की।कबड्डी में महाविद्यालय के बालकों ने पाँच टीमों में अपनी प्रतिनिधित्व कर अपने प्रतिद्वंदियों को परास्त करने की कोशिश की जिसमें लीलेश की टीम ने जीत का परचम लहराया।

आयोजन से छात्रों में नई ऊर्जा का होता है संचार

गोलाफेंक, तवाफेंक, रस्सीकूद तथा फुगड़ी में भी बालक-बालिकाओं ने समान रूप से भाग लिया तथा क्रीड़ा उत्सव में नए-नए कौतिलान बनाया। तीन दिवस तक महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण, कर्मचारी गण तथा छात्र-छात्राओं ने क्रीड़ा उत्सव के आयोजन के सफलता के लिए अथक मेहनत किया।जामगांव के खेल में रुचि लेने वाले व्यक्तित्व विकास केंद्र के का भी विशेष योगदान रहा। क्रीड़ात्सव के समापन प्रो.रितेश गोल्डन ने आयोजक तथा खिलाड़ियों एवं सभी निगणायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से छात्रों में नई ऊर्जा का संचार करते हैं शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक विकास की ओर छात्र अग्रसर होते हैं। वहीं पर छात्रों के कैरियर की नई दिशा तय करते हैं।

पेज 9 के शेष

इस बार राजिम कुंम...

जाएगी। पुराने स्थल पर कोई भी अस्थाई दुकान लगाने की अनुमति नहीं होगी। सभी अस्थाई दुकान नई जगह पर लगाई जाएगी। संभाग आयुक्त श्री कावरे ने नए स्थल पर लगने वाले मीना बाजार एवं पार्किंग स्थल के लिए टेंडर प्रक्रिया के लिए जरूरी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुकानों का आबंटन एसडीएम की अध्यक्षता में समिति गठित के द्वारा की जाएगी। इसके लिए भी तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए।

नवापारा में राजिम...

साहू,देवनाथ साहू,राजिम भक्तिन मंदिर समिति के अध्यक्ष लाला साहू,तहसील अध्यक्ष ब्रह्मानंद साहू, राम सिंह साहू,खोरबाहरा राम साहू, भोजराम साहू, उमराव साहू, मुकेश साहू होंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नगर परिक्षेत्र साहू,समाज के अध्यक्ष रमेश साहू, उपाध्यक्ष भागवत साहू, भामाशाह समिति के अध्यक्ष मेघनाथ साहू, परदेसी राम साहू, छन्नू लाल साहू, प्रेमलाल साहू, रवि शंकर साहू, गैस साहू, रज्जू साहू, सुखराम साहू, डॉ. लीलाराम साहू, लक्ष्मण साहू, गोवर्धन साहू, आलोक साहू, डिगेश्वर साहू, थनवार साहू, लखन साहू, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ, व्यापार प्रकोष्ठ, चिकित्सा प्रकोष्ठ, अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी सदस्य गण लगे हुए हैं।

कोचईमुड़ा में घुसा...

कर उसके घर को तोड़ दिया है, घर के सभी व्यक्ति सुरक्षित वहां से अपनी जान बचाकर निकले। वहीं वन विभाग के लोकेशन के आधार पर सोमवार को दिन में मलेवा पहाड़ी के नीचे बांस प्लांट में था। सोमवार को वन विभाग के टीम हाथी का लोकेशन लेने क्षेत्र में मौजूद थे। लोगों को जंगल न जाने और सर्तकता बरतने की सलाह बार बार दी जा रही है।

खबर संक्षेप



कुलेश्वर महादेव का धान की बालियों से अलौकिक श्रृंगार...

राजिम। पौष पूर्णिमा छेरछेरा पर्व के अवसर पर तीन नदियों के बीच संगम में भोलेनाथ कुलेश्वर महादेव का धान की बालियों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। दर्शनार्थी अलौकिक दृश्य को निहारते रहे। इस अवसर पर भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर अपने संपूर्ण परिवार की सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए मंगल कामना किया। मालूम हो कि आज मकरसंक्रांति से गृहप्रवेश, शादी, सगाई जैसे सभी शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाएगी।

रुद्राभिषेक हवन

पूजन आग

छुरा। ग्राम कोसमबुड़ा सूखेश्वर महादेव घाट, शहीद चौक में मकर संक्रांति मेला 2025 का आयोजन किया गया है। 13 जनवरी शाम 5:00 से ओम नमः शिवाय जाप एवं 14 जनवरी मंगलवार को प्रातः 8:00 से रुद्राभिषेक हवन पूजन, दोपहर 1:00 बजे अतिथि स्वागत ,भंडारा एवं 3:00 बजे मानस गान जय चितावर मानस परिवार सारा गांव, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तोकेश्वरी माझी जनपद अध्यक्ष, केसरी धुव जिला पंचायत सदस्य,विशिट अतिथि भोगेंद्र ठाकुर सरपंच, उमेंद्र सिंह सोरी पूर्व सरपंच एवं सभी समाज प्रमुख होंगे, रात्रि कालीन कार्यक्रम जय मां शारदा नाचा पार्टी कोसमी साले भाटा होगा।

एसडीएम ने ओडिशा बार्डर पर 55 बोरी अवैध धान जब्त किया



मैनपुर। देवभोग एसडीएम डॉ. तुलसीदस मरकाम ने आकस्मिक निरीक्षण के दौरान ग्राम करचिया के पास वाहन चालक सुन्दर लाल नायक व्यक्ति के द्वारा धान 55 बोरी को खुटगांव बोर्डर से पार कर अवैध धान लाया जा रहा था जिसे एसडीएम ने करचिया के पास गाड़ी पकड़ाया गया। गाड़ी चालक के पास मौके पर कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने पर पंचनामा बनाकर थाना सुपुर्द किया गया। देवभोग एसडीएम व राजस्व के संयुक्त टीम लगातार दौरा कर उड़ीसा से आ रहे अवैध धान को रोकने इस कड़कड़ाती ठंड में नहीं रुकते दिख रहे हैं। एसडीएम से चर्चा करने पर कहा गरियाबंद कलेक्टर के आदेशानुसार लगातार दिन रात दौरा कर अवैध धान की आवक को रोकने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है।

पर्व : बच्चे, युवक व युवतियों ने हाथ में टोकरी, बोरी लेकर घर-घर छेरछेरा मांगा

बैंड की धुन एवं ढोलक की थाप के साथ छेरछेरा मांगने निकलीं टोलियां

हरिभूमि न्यून ►► गरियाबंद

छेरछेरा माई कोठी के धान ला हेर हेरा यही आवाज छेरछेरा पर्व पर गुरुवार जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में गूंजा। मांदर-ढोलक और झांझ-मंजीरा लिए जब नाचते-गाते, डंडा के ताल के साथ कुहकी पारते (लोकनृत्य में यह एक शैली है ताल के साथ मुंह से आवाज निकालने की इसे ही कुहकी पारना कहते हैं) युवाओं की टोली निकलती थी तो लोग उन्हें दान देने के लिए अपनी बारी की प्रतीक्षा करते थे। छेरछेरा का असली रूप और असली मजा ऐसा ही होता था, जो अब कम ही देखने को मिलता है, पर इस वर्ष बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला।

छेरछेरा पर्व पर सुबह से ही बच्चे, युवक व युवतियों ने हाथ में टोकरी, बोरी आदि लेकर घर-घर छेरछेरा मांगा। यह उत्सव कृषि प्रधान संस्कृति में दानशीलता की परंपरा को याद दिलाता है। छत्तीसगढ़ का लोक पर्व छेरछेरा नगर सहित समूचे अंचल में मनाया गया। इस अवसर पर बच्चे व बड़े बाजे-गाजे के साथ घर-घर पहुंचकर दान स्वरूप धान व पैसा मांगा।बच्चों ने दान देने वाले की आशीष दिया कि आपका धान का भंडार सदा भरा रहे। गांव के लोग भी उत्साह से बच्चों, युवाओं एवं एवं बुजुर्गों को दान दिया। इस अवसर पर अधिक संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए गए

बुजुर्ग महिला धर्मीन बाई सिन्हा ने बताया कि यह पर्व फसल मिसाई के बाद खुशी मनाने से संबंधित है। पर्व में अमीरी गरीबी के भेदभाव से दूर एक-दूसरे के घर जाकर छेरछेरा मांगते हुए कहते हैं छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा। मान्यता है कि धान के कुछ हिस्से को दान करने से अगले वर्ष अच्छी फसल होती है। इसलिए इस दिन किसान अपने दरवाजे पर आए किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं करते। प्राचीन काल में राजा महाराजा भी इस पर्व को मनाते थे। छत्तीसगढ़ में प्राचीनकाल से छेरछेरा पर्व की संस्कृति का निर्वहन होते आ रहा है। लोगों के घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए गए। किसानों में इस पर्व को लेकर काफी उत्साह दिखा। दरअसल यह त्योहार खेती-किसानी समाप्त होने के बाद मनाया जाता है। इस अवसर पर लोग गांवों से बाहर निकलते नहीं हैं। गांव में रहकर ही इस पर्व को मनाते हैं। वैसे इस पर्व की तैयारी सप्ताह भर पहले से शुरू हो गई थी।



उल्लास के साथ मनाया छेरछेरा पर्व



राजिम। छेर-छेरा.....माई कोठी के धान ला हेर हेरा। ये आवाज पौष पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को शहर के हर गली,हर दरवाजे में गूंजता रहा। परंपरा के मुताबिक छेरछेरा में अन्न दान का बहुत ही महत्व है। सुबह से ही छेरछेरा मांगने वाली को घर की माताएं थोड़ा-थोड़ा धान,चावल और पैसा देते रहे। यह सिलसिला दोपहर 12 बजे तक चलता रहा। कोई झुंड में निकल रहे थे तो कईयो टोली मांदर-ढोलक और झांझ-मंजीरा लिए निकली हुई थी। छेरछेरा का असली रूप और असली मजा गांव देहात में ही देखने को मिलता है। इस वर्ष तो बच्चों व युवाओं में इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला है। यह उत्सव कृषि प्रधान संस्कृति में दानशीलता की परंपरा को याद दिलाता है। इस अवसर पर लोग गांवों से बाहर निकलते नहीं हैं। गांव में रहकर ही इस पर्व को मनाते हैं।

मिंजाई के बाद खुशी मनाने से संबंधित है। पर्व में अमीरी गरीबी के भेदभाव से दूर एक-दूसरे के घर जाकर छेरछेरा मांगते हुए कहते हैं छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरहेरा। मान्यता है कि धान के कुछ हिस्से को दान करने से अगले वर्ष अच्छी फसल होती है। इसलिए इस दिन किसान अपने दरवाजे पर आए किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं करते। कहा जाता है कि प्राचीन काल में राजा महाराजा भी इस पर्व को मनाते थे। छत्तीसगढ़ में प्राचीनकाल से छेरछेरा पर्व की संस्कृति का निर्वहन होते आ रहा है। लोगों के घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए गए। किसानों में इस पर्व को लेकर काफी उत्साह दिखा। दरअसल यह त्योहार खेती-किसानी समाप्त होने के बाद मनाया जाता है। इस अवसर पर लोग गांवों से बाहर निकलते नहीं हैं। गांव में रहकर ही इस पर्व को मनाते हैं।

छेरछेरा धूमधाम से मनाया गया



छुईहा बेलर। छत्तीसगढ़ी प्राचिन सांस्कृतिक परम्परा के प्रतीक छेरछेरा पुन्नी खुटेरी ग्राम में धूमधाम से मनाया गया। यह त्योहार के माध्यम से समाज में एकता और एक दूसरे को बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। छेरछेर पुन्नी पर किसान परिवार से अपने घर की मुख्य द्वार पर बैठकर अपने

धान उपाजन कुछ अंश दान देने को आतुर दानदाता कमल साहू, लीलेश्वरी साहू, संख्या साहू, नमन साहू, दुष्यंत कुमार साहू, पप्पू, कौशल, हरिशंकर चेतन, कमल, गुलशन, नेमचंद, वेद प्रकाश, जीवेश ओम गोवर्धन, खुटेरी निवासी है।



अंचल में छेरछेरा धूमधाम के साथ मनाया गया

नवापारा-राजिम। नवापारा शहर सहित आस-पास के तमाम गांव में छेरछेरा का महापर्व बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया गया।

सुबह से ही बच्चे युवक-युवतियां, बुजुर्ग हाथ में टोकरी-बोरी लिए घर-घर छेरछेरा मांगने पहुंचते रहे।

छेराछेरा पर लोगों ने दान देकर पुण्य कमाया

फिंगेश्वर। नगर सहित अंचल में सोमवार को लोक आस्था एवं दान का पर्व छेरछेरा बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। बच्चे और बहियां सुबह से ही टोली बनाकर हाथों में थैला लटकार लोगों के घरों में तक पहुंचते रहे और छेरछेरा की आवाज बुलंद कर दान मांगते रहे वहीं पर लोगों ने धान के अलावा रुपये ऐसे देकर उनका सम्मान भी किया एवं पुण्य कमाया।

बच्चे खुशी खुशी दान लेकर चलते बने वहीं पर गांवों में बड़े बड़े बोरो में नौजवान समूह भी छेरछेरा का गीत गाते हुए लोगों के घर पहुंचे जहां पर धान एवं चावल के साथ उन्हें भी रुपये ऐसे दिये। छेराछेरा पर्व छत्तीसगढ़ मे महादान और फसल उत्सव के रूप



बच्चों ने घर-घर जा जाकर अन्न का दान मांगा



मुझगांव(कोरासी)। सोमवार को पौष पूर्णिमा पर छत्तीसगढ़ के पर्व छेरछेरा तिहार मुझगांव में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दिन छोटे-छोटे बच्चे से लेकर बड़े बुजुर्ग सियान सभी थैला कावर लेकर अपनी टोली बनाकर घर-घर जाकर एक स्वर में छेरछेरा माईका कोठी के धान ला हेर हेरा कहकर अन्न का दान मांगते हैं। इस दिन किसान अपनी नई फसल का धान का दान करते हैं धान कटाई और मिसाई के बाद अपने घर संग्रह कर के रखे रहते हैं, और इस त्योहार का इंतजार में रहते हैं। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन धान्य की कोई कमी नहीं होती। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता रेखराम धुव, संजु दिवान, हेमंत, मोहर, राज, महारु दिवान, देवनाथ सभी ने घरों में जा जाकर अन्न का दान मांगा।

छेरछेरा पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया



कोपरा। जिले के कोपरा और आसपास के ग्रामीण अंचलों में छेरछेरा पर्व परंपरागत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही बच्चों की टोलियां हाथ में टोकरी, फैला और अन्य साधन लेकर घर-घर घूमने निकलीं। ग्रामीणों ने दिल खोलकर दान देकर इस उत्सव को जीवंत किया। इस पर्व की खासियत यह है कि इसमें समाज के हर वर्ग के लोग एकजुट होकर इसे मनाते हैं। किसान, मजदूर और व्यापारी, सभी खुशी-खुशी बच्चों को अनाज और अन्य वस्तुएं दान करते हैं। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष योगेश साहू ने अपने गृह वाम मंडारी में छेरछेरा की परंपरा का निर्वोह किया। उन्होंने गांव के बच्चों के बीच अनाज और अन्य दान वितरित कर इस पर्व का महत्व बढ़ाया। छेरछेरा पर्व न केवल दान-पुण्य का प्रतीक है, बल्कि यह ग्रामीण समाज में सामूहिकता और परस्पर सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। सुख-शांति और समृद्धि की कामना के साथ यह पर्व आने वाले समय में भी उत्साह और परंपरा का संगम बना रहेगा। यह उत्सव बताता है कि भारतीय ग्रामीण समाज में त्योहार केवल परंपरा ही नहीं, बल्कि सामूहिक एकता और सद्भावना का संदेश भी

मैनपुर क्षेत्र में उल्लास के साथ मना छेरछेरा



मैनपुर। छत्तीसगढ़ का पारंपरिक लोक पर छेरछेरा आज सोमवार को उत्साह हर्ष एवं उल्लास से मनाया गया पौष माह की पूर्णिमा तिथि पर यह पर्व मनाया जाता है चूंकि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान देश है और धान की खेती यहां प्रमुखता से होती है इसलिए छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा भी कहा जाता है खरीफ फसल की कटाई मिसाई के बाद धान की फसल घर में आने पर किसान अपने कृषि कार्य से निवृत्त हो जाता है और पौष पूर्णिमा पर अन्नदान की परंपरा छत्तीसगढ़ में चली आ रही है बच्चे जवान बड़े गरीब अमीर सभी लोग एक दूसरे के घर जाकर छेरछेरा मांगते हैं।छेरछेरा पर्व पर छेरछेरा कोठी की धान ल हेर हेरा आज सुबह से दोपहर तक गांव की गलियों में गूंजता रहा लोग अकेले और समूह बनाकर छेरछेरा मांगते दिखे लोगों ने भी बड़े आस्था और उत्साह के साथ छेरछेरा पर्व पर

दान किया दुर्गा मंदिर के पुजारी योगेश शर्मा ने बताया कि पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला छत्तीसगढ़ का पारंपरिक लोक परछत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का प्रमुख पर्व है और छत्तीसगढ़ की विरासत का प्रतीक है छेरछेरा पर्व के माध्यम से समाज में एकता और एक दूसरे को बांधे रखना जुड़े रहने का महत्वपूर्ण माध्यम है एवं एक दूसरे की मदद की भावना के साथ दान देने की महिमा और उसके फल की संज्ञा को भी यह पर्व दर्शाता है छेरछेरा पर्व पर घरों में छत्तीसगढ़ी छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन भी बनाकर लोगों ने उसका आनंद उठाया ग्रामीण जीवन की समृद्धि और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का यह पर्व संदेश देता है। वही पौंड के खेमराज साहू ने बताया कि उस क्षेत्र में छेरछेरा पर्व परम्परानुसार मनाया गया।

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561

- स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस ● Back Pain, सायटिका ● जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
- जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना ● टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी ● सर दर्द, पॅरालिसीस ● स्पाइलाइटिस ● गठिया रोग

९ अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती ढाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर । ९ मनुसा वैम्बर, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर ।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

लोकार्पण, भूमिपूजन एवं मड़ाई मेला

में पधारे समस्त आगन्तुकों एवं अतिथियों का स्वागत... वंदन... अभिनंदन...

मा. श्री रोहित साहू जी
विधायक राजिम विधानसभा क्षेत्र

श्री नरेश निषाद
सरपंच प्रतिनिधि

श्रीमती दुलारी निषाद
सरपंच ग्राम पंचायत हुडराज

